

सत्र 8, व्यवस्थाविवरण 16 - पर्व

डॉ सिंथिया पार्कर

यह डॉ. सिंथिया पार्कर और व्यवस्थाविवरण की पुस्तक पर उनका शिक्षण है। यह सत्र 8, व्यवस्थाविवरण 16 पर्व है।

परिचय: भोजन का महत्व

हम व्यवस्थाविवरण में अध्याय 16 शुरू कर रहे हैं, जिसका अर्थ है कि हमें भोजन के बारे में बात करनी है, जो मेरे पसंदीदा विषयों में से एक है। मुझे यह विषय पसंद है। मुझे लगता है खाना अद्भुत है। बाइबल का अध्ययन करने से पहले मैं अपने पूर्व करियर में एक शेफ था। मैं ऐसे परिवार से हूँ जिसे भोजन के बारे में बात करना पसंद है। इसलिए, कभी-कभी हम सुबह उठते हैं, हम तय करते हैं कि हम रात के खाने में क्या लेंगे, और फिर हम वापस ऊपर चले जाते हैं ताकि हम जान सकें कि नाश्ते में क्या लेना है ताकि हम रात के खाने के लिए तैयार हों। तो, भोजन हमारी बातचीत का एक जीवंत हिस्सा है, और मुझे यकीन है कि शायद आपके साथ भी ऐसा ही होगा। हम सभी के पास कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप किस राष्ट्रीयता के हैं, हम सभी के पास ऐसा भोजन है जो हमारी आत्मा से बात करता है। हमारे पास ऐसा भोजन है जिसे जब हम सबसे अधिक घर की याद करते हैं, तो हम नूडल्स का यह कटोरा खाना चाहते हैं, या हम माँ का लसग्रा खाना चाहते हैं। या हम ग्रिल पर मेरे भाई का स्टेक खाना चाहते हैं। ऐसा कुछ है जिससे यह बात करता है। यह हमारे मूल पोषण पर वापस जाता है। तो, भोजन बहुत शक्तिशाली हो सकता है। खाना जगह की तरह है। भोजन हमारे लिए यादें संजोकर रख सकता है।

इसलिए, मैं शर्त लगा सकता हूँ कि अगर मैं आपके साथ एक मेज पर बैठूँ और आपसे आपके घर पर हुई आखिरी दावत के बारे में पूछूँ। आप क्या जश्न मना रहे थे? वहाँ कौन है? क्या आपकी माँ अपने लिए विशेष व्यंजन लायीं? क्या आपका भाई अपनी चेरी पाई के लिए जाना जाता है? कौन क्या लाया? और उसमें कौन सी कहानी समाहित है? क्योंकि लगभग हमेशा, जब मेरी

मेज के आसपास लोग होते हैं, तो मैं उन्हें अपने पारिवारिक इतिहास और जो भोजन वे खा रहे हैं उससे जुड़ी यादों के बारे में बात करने के लिए कह सकता हूँ।

इस सब के बारे में हमें सोचने और इसके पीछे की रणनीति पर विचार करने का मौका मिलता है, यहाँ तक कि व्यवस्थाविवरण की पुस्तक में भी। तो, भोजन शक्तिशाली है, और भोजन में यादें होती हैं।

अब, मेरे पास यहाँ एक तस्वीर है। वास्तव में, यह वह भोजन था जो मैंने कुछ सप्ताह पहले ही खाया था। मैं इस तस्वीर को देख सकता हूँ। मुझे ठीक-ठीक पता है कि मैं कहाँ था। मैं ठीक-ठीक जानता हूँ कि जब हम दावत कर रहे थे तो मेरे सामने मेज पर कौन बैठा था। और मैं उस दावत के अवशिष्ट प्रभावों को भी जानता हूँ। हमने उसके बाद कई दिनों तक उस भोजन के बारे में बात की। तो, भोजन यादों का एक कंटेनर है, और हम इसका उपयोग तब करेंगे जब हम व्यवस्थाविवरण 16 को देखना शुरू करेंगे।

इज़राइल के पर्वों के विपरीत पर्व और प्राचीन निकट पूर्वी राजा

तो, व्यवस्थाविवरण 16 हमें उन दावतों की एक सूची देता है जिनका आनंद इस्राएलियों को देश में जाने के बाद लेना है। अब हमें यहां थोड़ा संदर्भ देने की आवश्यकता है क्योंकि, प्राचीन निकट पूर्व में, दावतें करना असामान्य नहीं था। लेकिन यदि आपके पास कोई दावत है जहां एक राष्ट्र एकत्र हो रहा है या एक प्रकार का राष्ट्रीय पर्व है, तो जोर हमेशा राजा पर होता है। राजा देवताओं के स्थान पर खड़ा था, और राजा अपनी मेज पर था। वह अपने साथ राजा की मेज पर बैठने के लिए सबसे धनी लोगों को लाया, और शायद अन्य लोग भी दावत कर सकते थे, लेकिन उन्हें राजा से बहुत दूर रहना पड़ा। इसलिए, उसने उन लोगों को चुना है जिन्हें वह अपनी मेज के आसपास रखना चाहता है। और उस दावत के दौरान, और यह कई दिनों तक चल सकती है, लेकिन वह दावत धन के पुनर्वितरण, व्यापारिक सौदे करने, राजा से प्यार करने और उसकी पूजा करने का अवसर बन जाती है। तो, यह सब राजा की शक्ति और प्रभाव पर केंद्रित है।

इस्राएलियों के लिए ऐसा नहीं होने वाला है। इस्राएलियों के लिए, यह फिर से भाईचारे, पूरे राष्ट्र के बारे में है, और याद रखें कि ईश्वर उनका ईश्वर और एकमात्र ईश्वर है।

पर्व और स्मृति

तो, इसके लिए, हम दावत को भगवान के कार्यों को याद करने के एक तरीके के रूप में देखना शुरू करने जा रहे हैं। और हम इस बारे में सोचने जा रहे हैं कि व्यवस्थाविवरण इन त्योहारों को कैसे केंद्रीकृत करता है। इसलिए, व्यवस्थाविवरण चुने हुए स्थान को सभी लोगों को एक साथ इकट्ठा करने के लिए एक जगह के रूप में उपयोग करने जा रहा है ताकि यह याद रखा जा सके कि उनका भगवान कौन है और वे भगवान के लोग कौन हैं।

पर्व और कृषि कैलेंडर

व्यवस्थाविवरण पर्व को कृषि कैलेंडर से भी जोड़ने जा रहा है। तो, मेरे साथ व्यवस्थाविवरण अध्याय 16 खोलें। और जब हम ऐसा करते हैं, तो मैं कृषि कैलेंडर डालने जा रहा हूँ जिसे हम पहले ही पिछले व्याख्यान में देख चुके हैं। मैं इसे वापस स्क्रीन पर रखने जा रहा हूँ।

तो, हमने बरसात के मौसम, शुष्क मौसम के बारे में बात की। हमने इस कृषि कैलेंडर के दौरान किसान द्वारा की जाने वाली गतिविधियों के बारे में बात की।

तो, इस बात को ध्यान में रखते हुए, मैं अध्याय 16 को पढ़ना शुरू करने जा रहा हूँ। तो, यह कहता है, "अवीव के महीने का पालन करो और अपने परमेश्वर यहोवा के लिए फसह मनाओ। क्योंकि अवीव के महीने में, यहोवा तुम्हारा परमेश्वर लाया तुम रात को मिस्र से बाहर आना। तुम अपने परमेश्वर यहोवा के लिये भेड़-बकरियों और गाय-बैलों में से उस स्यान में जो यहोवा अपना नाम स्थापित करना चाहता है, फसह बलि करना। उसके साथ खमीरी रोटी न खाना। तुम सात दिन तक भोजन करना। और उसके साथ अखमीरी रोटी अर्थात् दुःख की रोटी है; क्योंकि तुम मिस्र देश से उतावली करके निकले हो, जिस से तुम अपने जीवन के सारे दिन अर्थात् उस दिन को स्मरण रखो जिस दिन तुम मिस्र देश से निकले थे। सात दिन तक नहीं। तेरे सारे देश में खमीर तेरे

पास दिखाई देगा, और जो मांस तू पहिले दिन की सांझ को बलि करेगा उस में से कोई भी बिहान तक रात भर न रहेगा।

फसह और अखमीरी रोटी

यह मूल रूप से फसह और अखमीरी रोटी के कुछ नियमों को देते हुए जारी है। अब फसह का विचार, हमारी पहली मुलाकात निर्गमन की पुस्तक में हुई। वास्तव में, इन तीन पर्वों में से प्रत्येक, जिसके बारे में हम यहां व्यवस्थाविवरण में बात करने जा रहे हैं, का उल्लेख निर्गमन, संख्याओं, लैव्यव्यवस्था और व्यवस्थाविवरण में किया गया है। वे सभी दावतों को थोड़े अलग तरीकों से समझाते हैं। दूसरे शब्दों में, यह एक-दूसरे का शब्द-दर-शब्द उद्धरण नहीं है, बल्कि उनमें समान स्मृति है। तो यहाँ व्यवस्थाविवरण में, हमारे पास फसह और अखमीरी रोटी का पर्व है। वे एक साथ चलते प्रतीत होते हैं। हालाँकि, स्पष्ट रूप से, फसह वह भोजन है जो हो चुका है, और उस भोजन के लिए किसी भी जानवर की बलि दी गई है, और उस रात में मांस खाया जाता है।

और फिर सात दिन तक हम अखमीरी रोटी खाते रहें, कि हम मिस्र को स्मरण रखें, और मिस्र से निकल जाएं। अब अवीव का महीना, इसका क्या मतलब है? खैर, अवीव का महीना, मेरा मतलब है, इज़राइली महीने, उन महीनों के बिल्कुल समान नहीं हैं जैसा कि हमारा आधुनिक कैलेंडर उन्हें निर्दिष्ट करता है। यह सूर्य कैलेंडर के बजाय चंद्र कैलेंडर है। इसलिए, तारीखों में थोड़ा-थोड़ा बदलाव हो रहा है। हमें फसह के बारे में अन्य नियम मिलते हैं, और यदि आप निर्गमन की कहानी पढ़ते हैं, तो मिस्र में लोग जौ की फसल काटने की तैयारी कर रहे थे। और अवीव कब है, इसके लिए कुछ अन्य पदनामों में, यह तब होता है जब आप जौ की कटाई कर रहे होते हैं। इसलिए, यदि हम अपने कृषि कैलेंडर को देखें, तो जब जौ की कटाई की जाती है, तो यह जमीन से निकलने वाला पहला उत्पाद होता है। जौ की कटाई मार्च या अप्रैल में की जाती है। तो, जौ की फसल के अंत में, मार्च और अप्रैल में कभी-कभी, यह हमारा पहला त्यौहार होता है। तो, हमारा पहला त्यौहार ज़मीन से निकलने वाली पहली उपज के साथ साझेदारी करता है।

सप्ताहों का पर्व

तो, दूसरा पर्व, पद 9 में, यह कहता है, "तू अपने लिये सात सप्ताह गिनना, और जिस समय से तू खड़े अनाज पर हंसिया चलाना आरम्भ करेगा, उसी समय से तू सात सप्ताह गिनना आरम्भ कर देगा।" तब तू अपने परमेश्वर यहोवा के लिखे अठवारियोंका पर्व मानना, और अपने हाथ से स्वेच्छाबलि करके, जिसे तेरा परमेश्वर यहोवा तुझे आशीष दे वैसे ही देना। और तू अपने बेटे-बेटियोंसमेत अपने दास-दासियोंसमेत अपने परमेश्वर यहोवा के साम्हने आनन्द करना, और तेरे नगर में जो लेवीय हो, और परदेशी, और तेरे बीच में जो अनाथ और विधवाएं हों, उस स्थान पर जहां यहोवा तुम्हारा परमेश्वर अपना नाम स्थापित करने के लिये चुनता है। तुम स्मरण रखना, कि तुम मिस्र में दास थे, और इन विधियोंके मानने में चौकसी करना।

इसलिए, जब आप फसल और सप्ताहों का पर्व मनाते हैं, तो आपके पास गिनने के लिए सात सप्ताह होते हैं, और यह आपको मोटे तौर पर मई की समय अवधि के क्षेत्र में ले जाता है, जिसका अर्थ है कि गेहूं की फसल के ठीक अंत में, आप पर्व मना रहे हैं। सप्ताह का. और व्यवस्थाविवरण में, यह एक विशुद्ध कृषि उत्सव है। अब आपने अपना सारा खड़ा अनाज, अपनी सारी अनाज की फसलें काट ली हैं। गर्मियों के फलों की देखभाल के लिए अब आपके पास खेत में अन्य गतिविधियाँ होंगी। लेकिन सारा अनाज काटा जा चुका है।

सप्ताहों के पर्व में ध्यान दें कि यह इस बारे में बात करता है कि किसे आने के लिए आमंत्रित किया गया है - सभी को। और हर कोई चुने हुए स्थान पर जाता है, वह स्थान जहाँ परमेश्वर ने अपना नाम रखने के लिए चुना है। यहीं पर वे यह याद करने के लिए एक समुदाय के रूप में एकत्रित होते हैं कि भगवान ने उन्हें गुलामी के घर से मुक्त कराया ताकि वे अब अपनी भूमि से फसल काट सकें।

बूथों का पर्व

एक तीसरा त्यौहार है. तो, आयत 13 में, यह कहा गया है, "तू अपने खलिहान और दाखमधु के कुंड से इकट्ठा होने के सात दिन बाद झोंपड़ियों का पर्व मनाना। और तू अपने बेटे, अपनी बेटी, अपनी इन दावतों में आनन्द मनाना।" दास-दासियाँ, और जो लेवीय, परदेशी, अनाथ, और विधवाएं तुम्हारे नगरों में हों वे सात दिन तक उस स्थान में जो यहोवा तुम्हारे परमेश्वर यहोवा की इच्छा के कारण चुन ले, अपने परमेश्वर यहोवा के लिये पर्व मानना; तुझे और तेरी सारी उपज पर, और तेरे हाथ की सारी मेहनत पर आशीष दे, कि तू पूरी तरह आनन्दित हो।"

तो, यह तीसरा त्यौहार है जब आप सब कुछ काट लेते हैं। तो, खलिहान साफ कर दिया गया है, शराब के कुंड साफ कर दिए गए हैं। यह तब है जब आप झोंपड़ियों का पर्व मनाते हैं। तो, यह जैतून की फसल के अंत की ओर सही होगा। यह अंतिम उत्पाद है, अंतिम उपज है जो भूमि से निकाली जाती है। और इस समय, जब तुमने वह सब कुछ काट लिया है जो पृथ्वी तुम्हें देना चाहती थी, अब, तुम झोंपड़ियों का पर्व मनाओ।

अब, ड्यूटेरोनॉमी इसे बूथ कहती है, जो एक मेमोरी ट्रिगर है। यह आपके मन और आपके ध्यान को जंगल में भटकते हुए वापस बुलाता है। हमने इसके बारे में अध्याय 6 में भी बात की थी, जब वे जंगल में भटक रहे थे, भगवान ने उन्हें वह सब कुछ प्रदान किया जिसकी उन्हें आवश्यकता थी। उनकी चप्पलें घिसीं नहीं, और उनके पास पानी था और उनके पास वह भोजन था जिसकी उन्हें आवश्यकता थी। इसलिए, उनके कृषि कैलेंडर के अंत में, उनके पास एक और त्यौहार होता है जहां वे याद करते हैं, जैसे भगवान ने जंगल में उनके पूर्वजों के लिए प्रदान किया था, भगवान ने उनके लिए यहां भूमि में प्रदान किया है।

तो, व्यवस्थाविवरण का अंतिम भाग और फिर, बूथों का पर्व, क्या आपने पहचाना, क्या आपने सुना? सभी को भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

गरीब क्या देते हैं?

इसलिए, श्लोक 16 में, यह कहा गया है, "वर्ष में तीन बार अखमीरी रोटी के पर्व, सप्ताहों के पर्व, और झोंपड़ियों के पर्व में तुम्हारे सब पुरूष उस स्थान में जिसे वह चुन ले, तुम्हारे परमेश्वर

यहोवा के साम्हने उपस्थित हों।" . और वे यहोवा के साम्हने खाली हाथ न आएँ। तुम्हारे परमेश्वर यहोवा ने जो आशीष तुम्हें दिया हो उसके अनुसार हर एक मनुष्य अपनी सामर्थ्य के अनुसार दान दे।

इससे दावत अनुभाग बंद हो जाता है। अब मेरा प्रश्न यह होगा कि क्या होगा क्योंकि हमने पूरे अनुभाग में दोहराया है कि हर किसी को भाग लेना है, यहां तक कि गेर, यहां तक कि अनाथ, यहां तक कि विधवा भी? वे प्रभु के सामने क्या लाते हैं? लेकिन अगर हर किसी को इसमें भाग लेने का मौका मिले, तो क्या होगा अगर आप ज़मींदार नहीं हैं? तुम्हें क्या देना है? यह कुछ-कुछ ईश्वर के मेज पर बैठे होने जैसा लगता है, जैसे कोई राजा अपने इच्छित लोगों को आमंत्रित कर रहा हो। आप यह कहना शुरू कर सकते हैं कि इसकी वह छवि बन सकती है, सिवाय इसके कि व्यवस्थाविवरण ऐसा नहीं कह रहा है। व्यवस्थाविवरण कहता है कि ईश्वर आपका राजा है, हाँ। हाँ, ईश्वर ही वह है जो आपको प्रदान कर रहा है। दूसरे शब्दों में, यह दावत भगवान की मेज पर होती है। भगवान लोगों को आमंत्रित कर रहे हैं, लेकिन केवल ज़मींदारों का ही नहीं, बल्कि सभी का आने का स्वागत है।

कहानी सुनाना

तो, आइए बस एक पल के लिए सोचें कि यह कृषि वर्ष कैसा है, या मुझे यह वास्तव में कहना चाहिए, इससे पहले कि हम व्यवस्थाविवरण के दूसरे भाग में जाएं यदि आप ध्यान दें कि लोग वर्ष के दौरान, प्रत्येक कृषि वर्ष में क्या जश्न मना रहे हैं, तो वे हैं जश्न मना रहे हैं कि ईश्वर और फिरौन आमने-सामने हुए और ईश्वर की जीत हुई। परमेश्वर ने अपने लोगों को दमनकारी समाज से बाहर निकाला। परमेश्वर ने उन्हें एक भूमि दी है जो उनके लिए भोजन पैदा कर रही है, और वे उसका लाभ प्राप्त कर रहे हैं। परमेश्वर ने वर्ष के दौरान भूमि से वह सब कुछ प्रदान किया है जो उन्हें वर्ष भर जीवित रहने के लिए आवश्यक है। जैसे भगवान ने पूर्वजों के लिए प्रावधान किया था, वैसे ही उन्होंने इस वर्ष भी उनके लिए प्रावधान किया है।

इसलिए, हर एक वर्ष के दौरान, इस्राएलियों ने अपनी कहानी बताई है कि वे कौन हैं और उत्पीड़न के कारण उस देश में उनके पलायन की कहानी बताई है जहां भगवान ने उन्हें अपना टोरा, अपने कानून दिए हैं ताकि वे उस देश में फल-फूल सकें।

इतना ही नहीं, बल्कि भूमि अपने आप में एक स्मृति ट्रिगर बन जाती है क्योंकि जैसे ही आपके पास जौ होती है जो कटाई के लिए तैयार होती है, जौ और जौ की कटाई का कार्य, अपने आप में, लोगों को याद दिलाता है। ठीक है, हर साल इस समय, जब मौसम ऐसा लगता है, जब मैं इस विशेष गतिविधि में भाग लेता हूँ, तो मुझे याद आता है कि भगवान कौन है। हर साल जब मैं गेहूँ खत्म कर लेता हूँ तो मुझे यही याद आता है। हर साल, जैतून की फसल के अंत में एक बड़ी पार्टी होती है क्योंकि हम इस तथ्य का जश्न मनाते हैं कि हम अपनी ही भूमि पर हैं और यह ईश्वर है जिसने हमें यह सारी उपज दी है। तो, ज़मीन ही लोगों को याद दिलाने में मदद करती है।

गरीब क्या करते हैं? गरीबों के लिए प्रावधान (Deut. 24)

तो, फिर, यह उन लोगों के लिए एक समस्या पैदा करता है जिनके पास जमीन नहीं है। बेचारे क्या करें? क्या वे इन त्योहारों से वंचित रह गये हैं? क्या उन्हें भाग लेने का मौका नहीं मिलता? क्या ज़मीन उन्हें याद रखने में मदद नहीं करती? यह तब दिलचस्प होता है जब हम इस विचार, कैलेंडर से जुड़े त्योहारों और त्योहारों से जुड़ी यादों को भागीदार बनाना शुरू करते हैं। और अगर हम देखें तो ये बेतरतीब कृषि कानून प्रतीत हो सकते हैं।

इसलिए, यदि हमें व्यवस्थाविवरण 24 पढ़ना है, तो मेरे साथ व्यवस्थाविवरण अध्याय 24, श्लोक 19 से 21 की ओर मुड़ें। तो, श्लोक 19 में, यह कहता है, "जब तुम अपने खेत में अपनी फसल काटते हो और खेत में एक पूला भूल गए हो, तुम लौटकर उसे न लेना। वह परदेशी, अनाथ, और विधवा के लिये हो, इसलिये कि तेरा परमेश्वर यहोवा तुझे और तेरे हाथ की बनाई हुई वस्तुओं पर आशीष दे। फिर धनुष। वह परदेशी, अनाथ, और विधवा के लिये हो। जब तू अपक्की दाख की बारी से अंगूर तोड़ ले, तब उस में फिर न जाना। वह परदेशी, अनाथ, और विधवा के लिये हो। तुम्हें याद रखना चाहिए कि तुम मिस्र देश में गुलाम थे। इसलिए, मैं तुम्हें यह काम करने की आज्ञा दे रहा हूँ।"

तो, अब यह दिलचस्प है अगर हम इन कानूनों को हटा दें और हम कहें कि ऐसे कृषि कानून हैं जो न केवल गरीब लोगों को सम्मान प्रदान करने के लिए हैं, ताकि अनाथ, विधवा और विदेशी आ सकें और काम कर सकें और खुद को बनाए रखें। तो, काम में गरिमा है, और जमींदार की ओर से उदारता है। और एक आवश्यक स्व-संपादन है। दूसरे शब्दों में, खेत का मालिक वह सब कुछ लूट नहीं सकता जो वह खेत से प्राप्त फसल की गहराई तक काट सकता है। वह जो कर सकता है लेता है, और फिर गरीबों, अनाथों और विधवाओं के लिए वह थोड़ा अतिरिक्त मार्जिन बचा रहता है।

हालाँकि, यह एक और बात कहता है, क्योंकि जब मैंने उन छंदों को पढ़ा, तो आपने देखा होगा कि वे खड़े अनाज, गर्मियों के फल और जैतून की अंतिम फसल से संबंधित कानून थे।

इसलिए गरीबों को खेत के किनारे से फसल काटने दो। और अब, जब हर कोई फसल मनाने के लिए चुनी हुई जगह पर इकट्ठा होता है, तो हर किसी के पास लाने के लिए कुछ न कुछ होता है।

उन्हें सप्ताहों के पर्व में आने दो। अब उनके पास गेहूं भी है जिसे वे ला सकते हैं। यह बहुत छोटा हो सकता है, और एक ज़मींदार की पेशकश बहुत बड़ी हो सकती है, लेकिन उनके पास कुछ है। दूसरे शब्दों में, भूमि, प्रत्येक जौ की फसल, और प्रत्येक गेहूं की फसल अब समाज के हाशिए पर मौजूद लोगों की भी स्मृति को जागृत कर रही है। जैतून की फसल के साथ भी यही बात है। इसलिए जैतून को पेड़ों पर छोड़ दो, उन्हें उनमें से जाने दो और जैतून काटने दो। और अब, चूँकि पूरा समुदाय भगवान द्वारा दिए गए सभी उपहारों का जश्न मनाने के लिए इस महान, विशाल दावत में शामिल होने के लिए तैयार हो रहा है। यहां तक कि गरीबों के पास भी इसमें योगदान करने का अवसर है।

पर्वों पर समापन विचार

अब, कुछ समापन विचार, जैसा कि हम व्यवस्थाविवरण 16 को देखते हैं और हम दावत और पहचान और कहानी कहने के बारे में सोचते हैं जो व्यवस्थाविवरण लोगों को करने के लिए

कह रहा है। लोगों को फ़सल से केवल इसलिए फ़ायदा होता है क्योंकि ईश्वर ही हैं जिन्होंने उन्हें मिस्र से छुड़ाया है। हमने इसे दोबारा देखा। हर किसी को भाग लेने का मौका मिलता है, पुरुष, महिला, दास, ज़मींदार, लेवी जिनके पास ज़मीन नहीं थी, अपने लिए ज़मीन विरासत में मिली थी। तो, हर किसी को आना होगा।

और हम देखते हैं कि ईश्वर ही वह है जो मेज के शीर्ष पर बैठता है, और सभी के लिए बहुतायत प्रदान करता है। भगवान अपने लोगों को इस तरह से कार्य करने के लिए कहते हैं कि हर कोई उनके साथ एक ही मेज पर इकट्ठा हो जाए।

यह भी काफी दिलचस्प है जब हम इस तथ्य के बारे में सोचते हैं कि व्यवस्थाविवरण इन सभी त्योहारों को केंद्रीकृत करता है। इसलिए, हर कोई इन त्योहारों को मनाने के लिए चुनी हुई जगह पर जाता है। क्योंकि एक और चीज़ जो यह करती है वह इस विचार में है कि हर तरफ शहर बिखरे हुए हैं, कि तटीय मैदान में लोग हैं, कि पहाड़ी देश में किसान लोग हैं, कि नीचे दक्षिण में लोग हैं। हर किसी को अलग-अलग मात्रा में बारिश मिल रही है। उन सभी के पास दैनिक जीवन के लिए अलग-अलग प्रकार के संदर्भ हैं, और फिर भी हर कोई जाने के लिए अपने शहरों और गांवों को पीछे छोड़ देता है। याद रखें, वे एक ऐसे लोगों का समूह हैं जो एक ही कहानी साझा करते हैं कि उनका भगवान कौन है।

यह लोगों को उस संदर्भ से भी बाहर कर देता है जो उन्हें उनकी पहचान देता है। अक्सर, जिन स्थानों पर हम रहते हैं वे हमें हमारे आस-पास मौजूद अन्य लोगों से पहचान दिलाते हैं। हम अपने समुदाय से जाने जाते हैं। तो, धनी ज़मींदार, कम-सफल ज़मींदार, अनाथ जो बड़ा हो रहा है, और फिर भी, जब हर कोई अपने शहरों और अपने गांवों को छोड़कर चुने हुए स्थान पर जाता है, तो वे सभी भगवान के सामने समान हैं। और इसलिए, फिर से, वे इस रूढ़िवादिता को पीछे छोड़ रहे हैं कि अन्य लोगों ने उन्हें यह कहने का अवसर दिया है कि मैं इस कहानी से संबंधित हूं। यह भगवान मेरा भी भगवान है। और मेरे भगवान ने मुझे आने और उसके साथ दावत करने और जश्न मनाने का एक रास्ता प्रदान किया है।

और फिर, हर साल, लोग भगवान के सामने अपनी कहानी दोहराते हैं। वे उसकी मेज पर आते हैं, और वे उसकी मेज से खाते हैं, यह पहचानकर कि यह उनके लिए उसी की ओर से भोजन है।

हम अगले व्याख्यान में, अध्याय 16, अध्याय 17 और 18 के शेष भाग में जाकर इस्राएलियों के नेतृत्व के बारे में बात करेंगे।

यह डॉ. सिंथिया पार्कर हैं जो व्यवस्थाविवरण की पुस्तक पर अपना अध्यापन दे रही हैं। यह सत्र 8, व्यवस्थाविवरण 16 पर्व है।